

59

संख्या:-1355/XXVIII(1)/2011-13(Nursing)/2011

प्रेषक,

विनीता कुमार,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,
उत्तराखण्ड देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक 01 नवम्बर, 2011

विषय:- जनपद हरिद्वार में जी0एन0एम0 स्कूल भवन के प्रथम चरण के निर्माण कार्य हेतु वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2011-12 में जनपद हरिद्वार के सी0एम0ओ0 कार्यालय के समीप रोशनाबाद नामक स्थान में राजकीय जी0एन0एम0 स्कूल के प्रथम चरण के निर्माण कार्य में होने वाले व्यय हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के नर्सिंग सेवा एवं नर्सिंग शिक्षा के सुदृढीकरण एवं विकास योजना (आयोजनागत 2010-11) के अन्तर्गत स्थापित ए0एन0एम0/जी0एन0एम0 स्कूल हेतु भारत सरकार से प्राप्त केन्द्रांश रु0 15.25 करोड़ जो कि आपके खाते में प्राप्त हुई है, में से टी0ए0सी0 वित्त द्वारा औचित्यपूर्ण पायी गयी धनराशि रु0 27.16 लाख (रुपये सताइस लाख सोलह हजार मात्र) की धनराशि प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए इतनी ही धनराशि व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तानुसार सहर्ष प्रदान करते हैं:-

2. जिन मदों में उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली के अधीन निविदा प्रक्रिया आवश्यक है। उस मद में व्यय किये जाने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली का पालन करते हुए सक्षम स्तर से अनुमोदन के उपरान्त ही भुगतान की कार्यवाही की जाय।
3. प्रकरणाधीन कार्य 'क' द्वितीय चरण (विस्तृत आगणन गठित करने आदि) के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-571/XXVII(1)/2010 दिनांक 19.10.2010 के आलोक में समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।
4. निर्माण कार्यों के लागत व समय वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए कड़ी कार्यवाही व सघन अनुश्रवण किया जायेगा एवं इस हेतु बजट मैनुअल के प्रस्तर-211(डी) की अनुपालना सुनिश्चित की जायेगी।
5. व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाए। निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक कार्य के आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासनिक एवं वित्तीय अनुमोदन के साथ-साथ विस्तृत आगणनों पर सक्षम अधिकारी की टैक्नीकल स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाए। निर्माण कार्यों हेतु पूरे वर्ष के सम्भावित व्यय की फेजिंग करके विभागाध्यक्ष/सम्बन्धित अधिकारी कार्यदायी संस्थाओं को अवगत करायेगें तथा लक्ष्य

माहि

के अनुसार भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा/अनुश्रवण किया जाना अनिवार्य रूप से आवश्यक होगा।

6. प्रत्येक विभागाध्यक्ष वर्ष के प्रारम्भ में तथा हर माह की 10 तारीख तक शासन को केन्द्र सहायतित/बाह्य सहायतित योजनाओं में अनुमोदित परिव्यय के सापेक्ष केन्द्रांश की धनराशि तथा केन्द्र सरकार से प्राप्त हुई धनराशि का विवरण उपलब्ध करायेंगे। **जिन विभागों से यह सूचना प्राप्त नहीं होगी उनके वित्तीय अधिकारों पर रोक लगा दी जायेगी।** केन्द्र सरकार से प्राप्त होने वाली अवशेष धनराशि का विवरण भी प्रतिमाह उपलब्ध कराया जायेगा।
7. यह उल्लेखनीय है कि शासन के व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है। अतः व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। इस सम्बन्ध में वेतन आदि मदों के अतिरिक्त शेष मदों में मितव्ययिता सुनिश्चित करने के लिए तत्काल शीर्षक/मदवार बचत की कार्ययोजना बना ली जाए तथा तदनुसार विशेषकर आयोजनेत्तर पक्ष में बचत करने का वार्षिक लक्ष्य निर्धारित कर बचत किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
8. वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-209/XXVII(1)/2011 दिनांक 31 मार्च, 2011 में उल्लिखित शर्तों/प्रतिबन्धों का प्रत्येक व्यय के सम्बन्ध में कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।
9. यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 सं0-270(P)/XXVII(3)/2011-12 दिनांक 28 नवम्बर, 2011 में प्राप्त सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय,

(विनीता कुमार)
प्रमुख सचिव।

संख्या एवं दिनांक तदैव-

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराँय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- आयुक्त गढ़वाल मण्डल, उत्तराखण्ड।
- 3- निदेशक कोषागार, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
- 4- जिलाधिकारी, हरिद्वार।
- 5- मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून/हरिद्वार।
- 6- वित्त नियंत्रक, महानिदेशालय, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 7- बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून।
- 8- अपर परियोजना प्रबन्धक, ईकाई हरिद्वार, उ0प्र0रा0नि0नि0, जिला हरिद्वार।
- 9- वित्त(व्यय नियंत्रण)अनुभाग-03/ नियोजन विभाग/एन0आई0सी।
- 10- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(मायावती ढकरियाल)
उप सचिव।